तुम अन्धेरे में ज्योति मेरी नैया के मांझी

तुम अन्धेरे में ज्योति, मेरी नैया के मांझी
जीवन सम्भालो हमारा ओ कृपा सिंधु.....

तेरे आशीषों का अन्त न पाया,
आतुर दर्शन तुम्हरे हो कृपा सिंधु,
जीवन सम्भालो हमारा.....

भावों की मेरी हो अन्तरवीणा,
मानस संगीत तुमसे ओ कृपा सिंधु,
जीवन सम्भालो हमारा.....

कस्ती तू ही है मेरा किनारा,
शोभित जीवन तुझसे ओ कृपा सिंधु,
जीवन सम्भालो हमारा.....

हारे विभ्रष्टों के पथदर्शी,
संकट मोचन सगरे श्री कृपा सिंधु,
जीवन सम्भालो हमारा.....

मेरे प्रश्नों का उत्तर तू है,
जीवन आशय सबके औ कृपा सिंधु,
जीवन सम्भालो हमारा.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32442/title/tum-andhere-me-jyoti-meri-nayia-ke-manjhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |